<u>**FDP-SDP Organised by IQAC, KNIPSS, Sultanpur**</u>

Date: 29.11.2022

GPS Map Camera
Ratan Pur, Uttar Pradesh, India
73QJ+Q5G, Ratan Pur, Uttar Pradesh 228118, India
Lat 26.289416°
Long 82.080283°
30/11/22 12:29 PM GMT +05:30
Google

FACULTY & STUDENT DEVELOPMENT PROGRAMME
(FDP/SDP)
Kamla Nehru Institute of Physical & Social Sciences
Sultanpur (U.P.)
Date 29-30 Nov. 2022

GPS Map Camera
Ratan Pur, Uttar Pradesh, India
73QJ+Q5G, Ratan Pur, Uttar Pradesh 228118, India
Lat 26.289566°
Long 82.080404°
30/11/22 12:57 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
Ratan Pur, Uttar Pradesh, India
73QJ+Q5G, Ratan Pur, Uttar Pradesh 228118, India
Lat 26.289415°
Long 82.080182°
30/11/22 02:30 PM GMT +05:30
Google

FACULTY & STUDENT DEVELOPMENT PROGRAMME
(FDP/SDP)
Organised by
Kamla Nehru Institute of Physical & Social Sciences
Sultanpur (U.P.)
Date 29-30 Nov. 2022
JAIPURIA
Director
Director
IQAC

FACULTY & STUDENT DEVELOPMENT PROGRAMME
(FDP/SDP)
Kamla Nehru Institute of Physical & Social Sciences
Sultanpur (U.P.)
Date 29-30 Nov. 2022

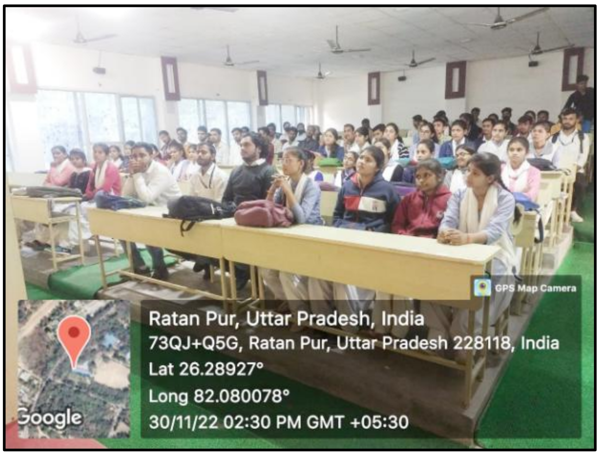
GPS Map Camera
Ratan Pur, Uttar Pradesh, India
73QJ+Q5G, Ratan Pur, Uttar Pradesh 228118, India
Lat 26.28927°
Long 82.080078°
30/11/22 02:30 PM GMT +05:30
Google

आख्याः FDP/SDP

दिनांक–30.11.2022

दिनांक 29 व 30 नवम्बर 2022 को संस्थान आई.क्यू.ए.सी. द्वारा छात्र हित में FDP/SDP का आयोजन किया गया, जिसकी आख्या निम्नवत है।

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान के तत्वाधान में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम एवं स्टूडेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम, जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट लखनऊ एवं के.एन. आई.पी.एस.एस., सुलतानपुर के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में डा. अतहर महमूद एवं श्री गुंजन सक्सेना जी ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर संस्थान के प्राचार्य प्रोफेसर आलोक कुमार सिंह ने बताया कि एफडीपी मूल रूप से अनुभव साझा करने की प्रक्रिया है जो दोनो तरफ से होता है। मुख्य वक्ता ने उपस्थित प्राध्यापक गण से शिक्षण सम्बन्धित समस्याओं के सम्बन्ध में जानने का प्रयास किया तत्पश्चात प्रोफेसर राधेश्याम सिंह ने बताया कि छात्रों के ज्ञान का स्तर इतना नीचे गिर चुका है कि हमको खुद नींव खोदनी पड़ती है तब पता लगता है कि बहुत समय व्यतीत हो गया अन्य लोगों ने भी अपनी समस्या बताई। कक्षा में पाया जाता है कि बच्चों का ज्ञान स्तर कम है, उनकी उपस्थिति भी कम रहती है तथा स्वयं अनुशासित भी नहीं है। शारीरिक रूप से तो उपस्थित रहते हैं परन्तु मानसिक रूप से अनुपस्थित रहते हैं, शॉर्टकट तरीकों की तलाश में रहते हैं। मुख्य वक्ता ने आज के वक्त में मेंटरशिप पर जोर दिया आपने कहा कि जो भी आज लीडर है भविष्य में वे सभी मेंटर की भूमिका में होंगे। सही मेंटरिंग क्या है? सही सवाल पूछना ही सही मेंटरिंग है। आपको स्वयं विचार करना होगा। मेंटरिंग के तौर तरीकों से अवगत कराया। इस सम्बन्ध में साइकोमेट्रिक टेस्ट एवं एप्टीट्यूट टेस्ट प्रश्नावली से लोगों को अवगत कराया और इसके लाभों को बताया। आपने अपनी पॉलिसी संस्थान से साझा करने पर भी सहमति दी इस अवसर पर आई.क्यू.ए.सी. निदेशक प्रो. प्रवीण कुमार सिंह, प्रो. राधेश्याम सिंह, प्रो. सुशील कुमार सिंह, प्रो. पी.के. सिंह, प्रो. योगेन्द्र बहादुर सिंह, श्रीमती रंजना सिंह, श्रीमती वंदना सिंह, प्रो. प्रतिमा सिंह, प्रो. किरन सिंह एवं अन्य प्राध्यापक गण उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम में 191 छात्र एवं छात्राएं तथा 86 प्राध्यापकों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम उत्साहवर्द्धक एवं सफल रहा। सभा के अंत में प्रो. प्रवीण कुमार सिंह ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

(प्रो. प्रवीण कुमार सिंह)
निदेशक–आई.क्यू.ए.सी.
के.एन.आई.पी.एस.एस.
सुलतानपुर

अनुशासन से होगा ज्ञानार्जन

केएनआईपीएसएस में हुआ एफडीपी व एसडीपी कार्यक्रम

संवाद न्यूज एजेंसी

सुल्तानपुर। विद्यार्थी अनुशासित रहकर ज्ञानार्जन करेंगे तो ज्यादा सीखेंगे और भविष्य में उसका लाभ मिलेगा। यह बात फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम व स्टूडेंट्स डेवलपमेंट प्रोग्राम को संबोधित करते हुए केएनआईपीएसएस के प्राचार्य प्रोफेसर आलोक कुमार सिंह ने कहीं।

कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान के अंबेडकर हॉल में जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट लखनऊ तथा केएनआईपीएसएस के संयुक्त तत्वावधान में एफडीपी व एसडीपी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य प्रोफेसर आलोक कुमार सिंह ने कहा कि एफडीपी मूल रूप से अनुभवों को साझा करने की प्रक्रिया है। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अतहर महमूद ने शिक्षण संबंधी समस्याओं के संबंध में जानने का प्रयास किया।

पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर राधेश्याम सिंह ने कहा कि छात्रों के ज्ञान का स्तर इतना निचले स्तर पर है कि हमें खुद नींव खोदनी पड़ती है। कक्षा में विद्यार्थियों की उपस्थिति भी कम रहती है। विद्यार्थी शॉर्टकट तरीके की तलाश में रहते हैं। इस मौके पर आईक्यूएसी (आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ) निदेशक प्रोफेसर प्रवीण कुमार सिंह, प्रोफेसर सुशील सिंह, प्रोफेसर पीके सिंह, योगेंद्र बहादुर सिंह, रंजना सिंह, वंदना सिंह, डॉ. प्रतिमा सिंह, डॉ. किरन सिंह समेत बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे। कार्यक्रम में 191 विद्यार्थियों व 86 प्राध्यापकों ने हिस्सा लिया।

कमला नेहरू भौतिक एवं समाजिक विज्ञान संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थी। -संवाद

पाठ्यक्रम को सारगर्भित बनाती हैं सहगामी क्रियाएं

सुल्तानपुर। पाठ्य सहगामी क्रियाएं एक ओर जहां पाठ्यक्रम को सारगर्भित बनाती हैं, वहीं दूसरी ओर छात्रों में विषय की गहनता को बढ़ाती हैं। ये बातें कमला नेहरू भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान संस्थान के भूगोल विभाग में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. आरपी मिश्र ने कहीं। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष प्रोफेसर ओपी सिंह ने कहा कि जल संरक्षण का संकल्प आज नहीं लेंगे तो आने वाली पीढ़ियां बूंद-बूंद पानी को तरसेंगी। असिस्टेंट प्रोफेसर सुधांशु प्रताप सिंह ने नदियों व घाटियों की दुर्दशा पर अपने विचार रखे। इस मौके पर डॉ. नम्रता वर्मा, अतुल वर्मा समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। संवाद